मंगलवार
25 जुलाई 2023

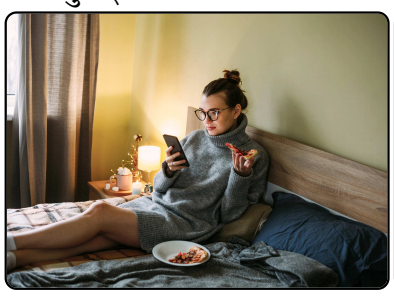

पृष्ठ 4

खुद को आराम देने के लिए कहीं आप भी तो नहीं कर रहे बेड रोटिंग!

पृष्ठ 5

राजकुमार राव जल्द ही भगत सिंह की भूमिका निभाते दिखेंगे

● देहरादून
● वर्ष 31
● अंक 169
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

जो पुरुषार्थ नहीं करते उन्हें धन, मित्र, ऐश्वर्य, सुख, स्वास्थ्य, शांति और संतोष प्राप्त नहीं होते।
— वेदव्यास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

बड़ी उपलब्धिः राज्य में 5 साल में 8 फीसदी गरीब हुए अमीर

विशेष संवाददाता

नई दिल्ली/देहरादून। किसी राज्य के लिए इससे बड़ी उपलब्धि और खुशखबरी क्या हो सकती है कि सिर्फ 5 साल में राज्यों के गरीबों की संख्या में 8 फीसदी की कमी हो जाए। जी हां यह कारनामा उत्तराखंड राज्य ने कर दिखाया है। गरीबी उन्मूलन में इस बेहतर प्रदर्शन के लिए नीति आयोग और केंद्र सरकार ने राज्य सरकार की कमर थपथपाई है।

❏नीति आयोग की एमपीआई रिपोर्ट का दावा
❏गरीब कल्याण योजनाओं का असरः धामी

नीति आयोग की एमपीआई रिपोर्ट के अनुसार उत्तराखंड में गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों की स्थिति में भारी बदलाव आया है रिपोर्ट के अनुसार बीते 5 साल में गरीबों की जनसंख्या 17.67 फीसदी से घटकर 9.67 फीसदी रह गई है जो एक बड़ी उपलब्धि है। इतने कम समय में गरीबों की जनसंख्या घटकर लगभग आधी रह जाना किसी चमत्कार से कम नहीं है। इस रिपोर्ट को लेकर नीति आयोग द्वारा राज्य सरकार की जो तारीफ की गई है वह अलग बात है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसके लिए सरकार की कार्यप्रणाली को सराहा है। प्रगति रिपोर्ट में उत्तराखंड अव्वल नंबर पर रहा है।

इस उपलब्धि पर भाजपा और मुख्यमंत्री धामी का खुश होना भी स्वाभाविक है क्योंकि बीते 6 सालों से राज्य में भाजपा की सरकार है इसलिए इसका श्रेय भाजपा की सरकार को ही जाता है। इस रिपोर्ट की जानकारी मिलने पर मुख्यमंत्री धामी ने खुशी जताते हुए कहा है कि यह राज्य में चल रही गरीब कल्याण योजनाओं का ही असर है जो अब धरातल पर दिखने लगा है। गरीबों और अति निर्धनों के लिए केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार ने बहुत काम किया है जिसका नतीजा है कि राज्य में गरीबों की संख्या में तेजी से कमी आई है।

इंटीग्रेटेड टाउनशिप योजना शहरीकरण के दृष्टिकोण से गलतः हरीश रावत

संवाददाता

देहरादून। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि इंटीग्रेटेड टाउनशिप योजना पर्यावरणी भू-गर्भीय, आर्थिक व शहरीकरण के दृष्टिकोण से यह सोच ही गलत है।

आज यहां डोईवाला में प्रस्तावित इंटीग्रेटेड टाउनशिप के मुद्दे पर पत्रकारों को जानकारी देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने कहा कि पर्यावरणी भू-गर्भीय, आर्थिक व शहरीकरण के दृष्टिकोण से यह सोच ही गलत है। इस योजना से किसान खत्म होगा, डोईवाला चीनी मील व किसान बुरी तरह से प्रभावित होगा। रावत ने कहा कि इस योजना से देहरादून का फैफडा पुरी तरह से खत्म हो जाएगा। उन्होनें कहा कि रायपुर से श्यामपुर तक समस्त वन क्षेत्र नष्ट हो जाएगा और सारा भार फैफडें पर आ जाएगा। रावत ने कहा कि एक तरफ हरिद्वार व रुड़की दूसरी तरफ देहरादून, डोईवाला, रायवाला, श्यामपुर, ऋषिकेश इत्यादि में इस तरह की परिकल्पना भी भयावह है। रावत ने कहा कि प्रत्येक दृष्टिकोण से यह एक अनमैनेजेबल कॉन्सेप्ट है। पर्वतीय राज्य का उद्देश्य ही समाप्त हो जाएगा। रावत ने कहा कि ग्लोबल मैकेन्जी कम्पनी की आड़ में उत्तराखण्ड की धरोहर के साथ खिलवाड किया जा रहा है। इस अवसर पर बोलते हुए प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि समाचार पत्रों के द्वारा जानकारी प्राप्त हुई है कि प्रदेश सरकार द्वारा डोईवाला के निकट माजरी ग्राम, मारखंमग्रान्ट, अन्य ग्रामीण क्षेत्र व

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

घोर कलियुगः छात्रों ने धुना टीचर को

नई दिल्ली। बिहार के बेतिया में एक शिक्षक की पिटाई का मामला सामने आया है। दरअसल, छात्रों से पूछे गए सवालों का जवाब नहीं देने पर शिक्षक ने उन्हें दंडित किया, जो खुद शिक्षक को ही भारी पड़ गया। दोपहर बाद स्कूल की छुट्टी होने पर दो दर्जन से ज्यादा युवकों ने शिक्षक को पकड़ बुरी तरह से पिटाई कर दी, जिससे वे घायल हो गए। घटना की सूचना पर गश्त पर निकली पुलिस टीम के पहुंचते ही पिटाई कर रहे शिक्षक को छोड़ सभी युवक फरार हो गए। पीड़ित शिक्षक बैरा परसौनी निवासी दीनानाथ ने पीएसआई बबलू यादव को बताया कि शनिवार के दिन कुछ सवाल छात्रों को याद करने के लिए दिया गया था, जिसे आधा दर्जन छात्र-छात्राओं ने याद नहीं किया था। इसे लेकर शिक्षक ने उन्हें एक-एक छड़ी पीट दिया। पिटाई से बौखलाए एक छात्रा ने शिक्षक को जान से मारने की धमकी क्लासरूम में ही दे डाली, जबकि एक छात्र ने रविवार की रात्रि में शिक्षक को फोन कर जान से मारने की धमकी दी। सोमवार को छुट्टी के बाद शिक्षक दीनानाथ अपने घर बैरा परसौनी जा रहे थे, तभी रास्ते में दस बाईक पर सवार दो दर्जन से ज्यादा युवकों ने खैरा टोला के कुर्मी टोला पुल के पास शिक्षक को घेर लिया। फिर वे धान के खेत में शिक्षक को पटककर लात-घुसा व बेल्ट से मारने लगे। इस दौरान शिक्षक अपनी जान बचाकर इधर-उधर भागने की फिराक में लगा रहा, लेकिन युवक बेरहमी से शिक्षक की धुनाई करते रहें।

'शादियों में गाने बजाना कॉपीराइट कानून का उल्लंघन नहीं'

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को स्पष्ट किया कि शादियों में गाने बजाना कॉपीराइट कानून का उल्लंघन नहीं है और कोई भी ऐसी गतिविधियों के लिए रॉयल्टी नहीं ले सकता है। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने एक सार्वजनिक नोटिस में कहा कि उसे कॉपीराइट अधिनियम 1957 की धारा 52 (1) (जेडए) की भावना के उलट शादी-विवाह में गाना बजाने को लेकर कॉपीराइट सोसायटी से रॉयल्टी लिये जाने के बारे में आम लोगों और अन्य पक्षों से कई शिकायतें मिली हैं। अधिनियम की धारा 52 कुछ ऐसे कार्यों से संबंधित है जिसमें कॉपीराइट का उल्लंघन नहीं होता है।

डीपीआईआईटी ने कहा कि कि धारा 52 (1) (जेडए) विशेष रूप से किसी धार्मिक समारोह या आधिकारिक समारोह के दौरान साहित्यिक, नाटकीय अथवा गाना बजाने या 'साउंड रिकॉर्डिंग के प्रदर्शन का उल्लेख करती है। यह कहीं से भी कॉपीराइट का उल्लंघन नहीं है। इसमें कहा गया है कि धार्मिक समारोह में विवाह और विवाह से जुड़े अन्य सामाजिक कार्य शामिल हैं। इसको देखते हुए कॉपीराइट सोसायटी को किसी भी कानूनी कार्रवाई से बचने के लिये अधिनियम की धारा 52 (1) (जेडए) के उल्लंघन वाले कार्यों से परहेज करने का निर्देश दिया जाता है। विभाग ने आम जनता से भी कहा कि वे किसी भी व्यक्ति या संगठन अथवा कॉपीराइट सोसायटी की इस धारा का उल्लंघन करने वाली किसी भी अनावश्यक मांग को स्वीकार न करें। यानि कुल मिलाकर व्यक्ति शादी विवाह में अपने पसंद की गीत बजा सकता है। इसके लिए ना ही उसे किसी तरह की सजा होगी या कोई कॉपीराइट कानून के तहत कार्रवाई की जाएगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

आसान नहीं यूसीसी की राह

आजकल अगर देश में किसी मुद्दे पर सबसे अधिक चर्चा हो रही है तो वह है यूसीसी यानी यूनिफॉर्म सिविल कोड। अगर सरल भाषा में कहें तो सभी के लिए एक समान कानून। केंद्र सरकार यूसीसी लागू करने की पुरजोर कोशिशों में जुट चुकी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अब हर एक मंच से यह कहकर कि किसी एक परिवार में एक व्यक्ति के लिए एक तरह का कानून हो और दूसरे के लिए दूसरी तरह का तो ऐसी स्थिति क्या कोई परिवार ठीक चल सकता है? इस पर आम सहमति बनाने के प्रयास में जुटे हैं। भले ही हमारे संविधान में यूसीसी का उल्लेख निहित है और बीते कुछ सालों में यूसीसी को लेकर पहल की जा चुकी है लेकिन तर्क देने वालों का कहना है कि क्या अब तक हमारा देश जिसे प्रधानमंत्री परिवार की संज्ञा देकर कह रहे हैं, कि सबके लिए अलग-अलग कानूनों से कैसे परिवार ठीक से चल सकता है। क्या अब तक देश वर्तमान व्यवस्थाओं से ठीक नहीं चल रहा था? जो अब यूसीसी की जरूरत आ पड़ी है? कुछ लोगों का कहना है कि हमारे देश और लोकतंत्र की पूरी दुनिया में जो अलग पहचान है वह अनेकता में एकता के कारण ही है। देश में अनेक जातियों धर्मो और समुदायों के लोग रहते हैं और सभी को अपने धर्मों और मान्यताओं तथा रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा, विवाह, शादी, तीज-त्योहार मनाने और वेशभूषा की आजादी है सभी का अलग-अलग कल्चर है जो भारत की विविधा पूर्ण संस्कृति को पोषित करता है सरकार अगर सभी के लिए एक तरह का कानून लायेगी तो यहां विविधता की विरासत समाप्त हो जाएगी। वहीं कुछ संप्रदाय और जाति विशेष के लोगों को यह भय सता रहा है कि कहीं यूसीसी से उनके मूल अधिकार उनसे न छीन लिए जाए। कुछ आदिवासी समुदाय के लोग इसे लेकर डरे हुए हैं कि उन्हें अति पिछड़े होने के कारण नौकरियों पर जो रिजर्वेशन और दूसरी सुविधाएं वर्तमान में मिल रही हैं वह समाप्त न हो जाए। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सदस्य लोगों से अपील कर रहे हैं कि जिस तरह मुस्लिम तथा अन्य पिछड़े समुदाय के लोगों द्वारा लॉ कमीशन के सामने इसका विरोध 2020 में कर इस कानून को लाने से रोका गया था वह फिर एक बार एकजुट होकर इसका विरोध करें। मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने इसे लेकर सियासी, सामाजिक और मजहबी तीनों ही फ्रंट पर मोर्चा खोल दिया है। वे राजनीतिक दलों से खासतौर से उन विपक्षी दलों से संपर्क साध रहे हैं जो इसे 2024 के चुनाव के लिए भाजपा सरकार की गुगली बता रहे हैं तथा उन्होने धर्मगुरुओं और सामाजिक संगठनों से संपर्क शुरू कर दिया है। सियासी दल जो भाजपा को 2024 के चुनाव में फायदा होता देख रहे हैं वह तो इसका विरोध कर ही रहे हैं। कुल मिलाकर यूसीसी का आना अभी कोई आसान काम नहीं दिख रहा है जिसका कारण साफ है। अभी तक इसका कोई मसौदा तक सरकार द्वारा देश की जनता या फिर राजनीतिक दलों के सामने नहीं रखा गया है उससे पहले ही जिस तरह के विरोध के स्वर सुनाई दे रहे हैं उनसे यह साफ है कि रास्ता आसान नहीं है इस प्रस्ताव को संसद में पारित कराने की चुनौतियों से लेकर सामाजिक विरोध और चुनावी हानि लाभ की गणित अभी बहुत कुछ इसके आगे पीछे है। उत्तराखंड सरकार इसमें अग्रणीय भूमिका निभा जरूर रही है लेकिन धामी सरकार को भी पता है कि यह अति संवेदनशील मामला है अभी-अभी सीएम धामी ने कहा कि यूसीसी लाने में कोई जल्दबाजी नहीं की जाएगी। यूसीसी का भविष्य क्या होगा इसके लिए अभी थोड़ा इंतजार करना ही पड़ेगा।

नाकआउट एकेडमी का उत्तराखंड स्टेट ताइक्वांडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन

हल्द्वानी (कासं)। हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में आयोजित दसवीं उत्तराखंड स्टेट ताईक्वांडो प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए 14 स्वर्ण पदक झटक कर देहरादून का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में देहरादून प्रथम स्थान पर रहा। प्रतियोगिता में देहरादून की नाकआउट एकेडमी की ऐकमजोत कौर,अनमोलजोत कौर, सीमा, एंजेल एवं दिव्यांशी ने गोल्ड जबकि पलक व उन्नति को सिल्वर पदक मिला स बालक वर्ग में अयान, मयंक, हिमांशु, वरुण, नागाराजू को गोल्ड तथा शिवांश व आर्यन को सिल्वर पदक मिला। नॉक आउट के प्रशिक्षक गगन सैन ने विजेताओं को शुभकामनायें देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

वरेथे अग्निमातपो वदते वल्गवत्रये।
अन्ति षद्भूतु वामवः॥

(ऋग्वेद ८-७३-८)

हे शासक और उनके मंत्रीगणों ! जो अनाथ हैं, बेसहारा है, उनको तपाने वाली भूख-प्यास की अग्नि ज्वाला से आप दूर कीजिए। आपका संरक्षण सदैव उनको मिलता रहे।

श्रीदेव सुमन ने 84 दिन तक आमरण अनशन कर हमारे वर्तमान और भविष्य की रक्षा के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया: उपाध्याय

कार्यालय संवाददाता

टिहरी गढ़वाल। टिहरी जन क्रांति के नायक श्रीदेव सुमन की पुण्यतिथि मंगलवार को जनपद में 'सुमन दिवस' के रूप में मनायी गयी। विभिन्न कार्यालयों, स्कूलों आदि में अमर शहीद श्रीदेव सुमन जी स्मरण कर उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। जगह-जगह वृक्षारोपण कार्यक्रम एवं स्कूली बच्चों द्वारा जन-जागरूकता रैली निकाली गई। इस मौके पर स्वीप के तहत मतदान जन जागरूकता शपथ एवं वृक्षारोपण कर उन्हें संरक्षित रखने का संकल्प भी लिया गया।

जिला मुख्यालय, नई टिहरी स्थित जिला कारागार में विधायक टिहरी किशोर उपाध्याय, जिलाधिकारी मयूर दीक्षित, मुख्य विकास अधिकारी मनीष कुमार, जेलर रामेश्वर सिंह राणा सहित अन्य गणमान्यों, प्रेस प्रतिनिधियों, अधिकारी/कर्मचारियों एवं स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा अमर शहीद श्रीदेव सुमन जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर श्रदांजलि दी गई। साथ ही जिला कारागार परिसर में पौधारोपण किया गया।

इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक ने शहीद श्रीदेव सुमन को नमन करते हुए कहा कि श्रीदेव सुमन जी का बलिदान शहीद मंगल पाण्डे एवं चन्द्रशेखर आजाद से कम नही है। कहा कि उस महान आत्मा ने 84 दिन तक आमरण अनशन कर हमारे वर्तमान और भविष्य की रक्षा के लिए अपना जीवन कुर्बान कर दिया। कहा कि श्रीदेव सुमन जी के दिखाये मार्ग पर चलने हेतु आज संकल्प लेने का दिन है।

जिलाधिकारी ने श्रीदेव सुमन को स्मरण करते हुए कहा कि लोगों के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ने वाली पुण्यआत्मा के बलिदान को युवा पीड़ी भी जान सके, इसके लिए बच्चों के साथ उनकी पुण्यतिथि मनाई जा रही है। स्कूली बच्चों द्वारा जन जागरूकता रैली आयोजित की जा रही है। साथ ही वृक्षारोपण भी किया जा रहा है, जो हरेला पर्व से शुरू हुआ है और जिसके तहत जनपद में 13 लाख पौधारोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है।

कहा कि श्रीदेव सुमन के परिपेक्ष में जो भी घोषणाएं हुई हैं, उनके क्रियान्वयन के संबंध में शीघ्र ही बैठक कर तेजी से कार्य किया जायेगा। कहा कि जनपद से संबंधित मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति हेतु अपने दायित्वों/ जिम्मेदारियों का निर्वाह करना ही श्रीदेव सुमन जी के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

इस मौके पर पी.आई.सी. बौराड़ी स्टेडियम में क्षेत्रीय विधायक की अध्यक्षता में जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। गणमान्यों एवं अधिकारिओं द्वारा विभिन्न प्रजाति के पौधे रोपित किये गए। जिला मुख्यालय में विभिन्न स्कूली छात्र-छात्राओं द्वारा राजकीय प्रताप इण्टर कालेज बौराड़ी से प्रताप आवासीय कॉलोनी-ऑपन मार्केट-कवर्ड मार्केट-गणेश चौक-सांई चौक- जिला अस्पताल होते हुए वापस पीआईसी बौराड़ी तक जागरूकता रैली निकाली गई।

इस अवसर पर डीडीओ सुनील कुमार, डीईओ वी.के. ढौंडियाल, एसडीएम अपूर्वा सिंह, आशीष घिल्डियाल, पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा विनोद रतूड़ी, एडीआईओ सूचना भजनी भंडारी सहित जनप्रतिनिधि, मीडिया प्रतिनिधि, पुलिस कर्मी, शिक्षकगण, स्कूली बच्चें मौजूद रहे।

श्रीदेव सुमन का सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए देश सेवा के लिए प्रेरणा देता रहेगा: रावत

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। जन अधिकारों की हिमायती, प्रजातांत्रिक विचारों के पोशक, टिहरी राज्य प्रजामंडल के संस्थापक क्रांतिकारी शहीद श्री देव सुमन का 80वां बलिदान दिवस आज धर्मानंद उनियाल राजकीय महाविद्यालय नरेंद्र नगर में धूमधाम से मनाया गया।

इस अवसर पर प्रभारी प्राचार्य डॉक्टर राजपाल रावत ने शहीद श्रीदेव सुमन के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कहा कि श्रीदेव सुमन का सर्वोच्च बलिदान आने वाली पीढ़ियों के लिए देश सेवा के लिए प्रेरणा देता रहेगा।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए प्राचार्य प्रोफेसर राजेश कुमार उभान ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि टिहरी रियासत को प्रजातांत्रिक बनाने में श्रीदेव सुमन का बलिदान अमर रहेगा।

डॉ विक्रम सिंह बर्त्वाल ने अमर शहीद श्री देव सुमन को याद करते हुए कहा कि श्री देव सुमन अहिंसा एवं जनतंत्र के हिमायती थे। सुमन ने इन विचारों को पोषित करने के लिए राजशाही तथा ब्रिटिश हुकूमत से जमकर लोहा लिया तथा अपना सर्वोच्च बलिदान दिया।

महाविद्यालय की परीक्षा प्रभारी डॉ नताशा ने अमर शहीद सुमन को याद करते हुए कहा कि नई राह के निर्माण और हौसलों की उड़ान का विचार श्रीदेव सुमन का जुनून था जो कि आज भी समय की मांग है। डॉ विजय भट्ट ने श्री देव सुमन को बहुमुखी प्रतिभा का धनी बताया। डॉ ज्योति शैली ने सुमन के सर्वोच्च बलिदान को बेमिसाल बताया।

इस अवसर पर कॉलेज एनएसएस प्रभारी डॉ संजय कुमार ने श्री देव सुमन के समाज सेवा के जज्बे को सलाम करते हुए टीम के साथ वृक्षारोपण तथा सफाई कार्यक्रम आयोजित किया।

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में परीक्षा देने आए छात्रों के अलावा महाविद्यालय के कर्मचारी शिशुपाल रावत, भूपेंद्र खाती रमा बिष्ट, जयेंद्र आदि कर्मचारी एवं सुरक्षाकर्मी विशेष रुप से मौजूद रहे।

लोन की किश्त मांगने पर मैनेजर का अपहरण कर धमकाया, मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। लोन की किश्त मांगने पर बैंक मैनेजर का अपहरण कर उसको धमकाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार द्रोण वाटिका सहस्त्रधारा रोड निवासी सौरभ ढौडियाल ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह कैनरा बैक की गुजराडा मानसिह शाखा में वरिष्ठ प्रबंधक के पद पर कार्यरत है। उसके द्वारा 21 जुलाई 2023 को लोन कि किश्त भरने के लिए मदन नौटियाल को कॉल किया गया। जिसके दौरान मदन नौटियाल ने उसको धमकाते हुए कहा कि किश्त के लिए उसको कॉल मत किया करो, क्योंकि तुम जानते नहीं हो कि उसकी पहुंच कहां तक है। अभद्रता करते हुए उसको गंदी-गंदी गालियाँ दी और ब्रांच में आकर सबक सिखाने की बात कही। अगले दिन 22 जुलाई को जब वह बैंक के कार्य से शाखा में मौजूद था। लगभग डेढ बजे दिन में 07 से 08 की संख्या में लड़के गार्ड को धक्का मारते हुए शाखा के अंदर प्रवेश किया। उनमें से एक ने चिल्लाते हुए कहा कि मैनेजर कहां है, उसको आज हम सबक सिखाते हैं। आज ये उसका आखिर दिन है। इस तरह के शब्दों को सुन वह डरते हुए अपने मैनेजर कक्ष से बाहर आ गया। उनमें से एक व्यक्ति ने बोला कि उनको मदन नौटियाल ने भेजा है जिस से तुम कल लोन की किश्त की मांग कर रहे थे और बोला कि उसने ग्यारह मर्डर किये हुए हैं और एक और मर्डर करने से कोई फर्क नहीं पड़ता। फिर धमकाते हुए उसको जबरन गाड़ी में बैठाने की कोशिश की गई। उसके और गार्ड के विरोध करने के बाद जबरन उसको अपने साथी के साथ उसकी गाड़ी में बिठा कर आईटीआई गुजराडा मानसिंह कॉलेज के प्रिंसिपल ऑफिस ले गए जहां मदन लाल नौटियाल पहले से मौजूद था और उसके वहां पहुंचते हुए ही उसको गाली देने लगा और कहा कि बाप, बाप होता है , तुझे पहले भी बोला था कि तू गलत जगह हाथ डाल रहा है। आज ये तेरा आखरी दिन होगा। यह सुनते ही वह घबरा गया। उनमें से एक लड़के ने हथियार निकालते हुए मदन नौटियाल की तरफ इशारा करते हुए कहा कि उनके भाई के पैर पकड़ कर माफी माँग। अपने प्राणों की चिंता करते हुए उसको उनकी हर बात माननी पड़ी। उससे 3-4 बार माफी मंगवाई और की ये अभी छोटा ट्रेलर है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

ऑनलाईन डाक्टर से अपायमेंट लेने के चक्कर में गंवाये 98 हजार रुपये

संवाददाता

देहरादून। ऑनलाईन डाक्टर से अपायमेंट लेने के नाम पर 98 हजार रूपये गंवाने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार राजेश्वरनगर निवासी नरेन्द्र सिंह डंगवाल ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 12 जुलाई 2023 को सुबह उसको एसबीआई बैंक से फोन आया कि आपने 98500 निकाले है उसके ना कहने पर उन्होने उसको सूचित किया कि उसके खाते से पैसे निकाले जा चुके है, उसने तुरन्त खाता जाम करने हेतु बैंक मैनेजर से विनती की और खाता बंद किया, लगभग आधे घण्टे बाद एक एचडीएफसी से फोन आया कि उसके खाते से निकालने की कोशिश हुई लेकिन सफल नही हो पायी उसका उपरोक्त खाता बैंक द्वारा 3.4 दिन से लिए बंद था केवाईसी के लिए और 11 जुलाई की शाम को ही खुला 11 जुलाई को उसने जांचने हेतु 500 रूपये का देय किया और अगली सुबह यानी 12 जुलाई को उपरोक्त घटना हुई उसने 5 जुलाई शाम और 6 जुलाई सुबह से मैक्स अस्पताल मे डाक्टर को दिखाने हेतु गूगल से प्राप्त नम्बर पर नियुक्ति पर प्रयास किया था और शायद उसी का लींक के विवरण से उक्त घटना हुई।

आर्मी अधिकारी बन ठगे डेढ लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। आर्मी अधिकारी बनकर डेढ लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पैसेफिक स्टेट निकट अनुराग नर्सरी निवासी मोनिका छिब्बर ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 18 जुलाई 2023 को मोबाइल से कॉल आया जिसने अपना नाम पिरामिल कुमार व इंडियन आर्मी मे कार्यरत बताया जिस सम्बन्ध मे उसने उसको व्हटसएप पर आर्मी कार्ड भेजा। उसने कहा कि उसके दो बच्चे दिल्ली के डीपीएस स्कूल मे पढ़ते है और वह उनके लिए ट्यूशन लगवाना चाहता है जिसके बाद उसने उन पर विश्वास करते हुए उन्हे अपनी फीस बताई उन्होने उसको पैसे भेजने की बात की जिसके बाद उसने फोन पर फाईनेनशियल मैनेजर से बात करवाई और कहा कि वह इनके कहे अनुसार गूगल पे में जा कर पे बिल के ऑपशन मे जाकर पेमिंट भरिए व अपना नम्बर टाइप करवाया। पहली बार मे जब उसके खाते से 10,000 रुपये निकल गए तो उसने सिस्टर कह कर गलत हो जाने माफी माँगी और दुबारा करवाया इसी तरह से उसने उससे कुल पाँच ट्रांजेक्शन करवाई जिसमे कुल धनराशि एक लाख 44,000 का उसको नुकसान हुआ है। तब उसको पता चला कि आर्मी अधिकारी बनकर उसके साथ ठगी हुई है।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया वृक्षारोपण

संवाददाता

देहरादून। भाजपा कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण कर एक पेड अनिवार्य रूप से लगाना चाहिए का संदेश दिया।

आज यहां प्रकृति को समर्पित देवभूमि उत्तराखंड के लोकपर्व हरेला पर्व के उपलक्ष्य में वृक्षारोपण के भाजपा युवा नेता गौरव तोमर का कहना है कि हर व्यक्ति को एक पेड़ अनिवार्य लगाना चाहिए। भाजपा गौरव तोमर के नेतृत्व में हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य उपस्थिती केंट विधायक सविता कपूर, वरिष्ठ नेता विनय गोयल, जीएमएस मंडल अध्यक्ष सुमित पांडे, बबलू बंसल, पार्षद विशाल कुमार विनोद तोमर, विशाल अनन्त, मुकेश चौधरी, चिराग अरोड़ा, अर्चना आनंद, मोना कोला, नवीन चौहान, आकाश सोनकर, अंकित सेम, कल्पना शर्मा, काफी कफी संख्या में क्षेत्र वासियों उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में युवक की दर्दनाक मौत

हमारे संवाददाता

नैनीताल। सड़क हादसें में एक ट्रक की चपेट में आकर एक युवक की दर्दनाक मौत हो गयी। हादसे की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार आज सुबह करीब 10 बजे रामपुर रोड बरेली बाईपास स्थित एफटीआई के सामने ओवरटेक कर रहे ट्रक की भीषण टक्कर लगने से इंदिरा नगर निवासी युवक मोइन दूसरी सड़क पर सीवर टैंकर के नीचे आकर गंभीर रूप से घायल हो गया। मौके पर सड़क से गुजर रहे लोगों ने आनन-फानन में उसे सुशीला तिवारी अस्पताल पहुंचाया लेकिन वहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने युवक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस हादसे की जांच में जुट गई है। बताया जा रहा है इंदिरा नगर निवासी मोहिन अहमद (19) पुत्र रईस अहमद जीके कलर लैब में कार्यरत था, जो कि आज सुबह अपने ऑफिस जा रहा था। मृतक के बड़े भाई अनीस अहमद की इंद्रानगर में फोटोग्राफर की दुकान है। जवान बेटे की मौत की खबर सुनते ही घर में कोहराम मचा हुआ है।

मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करने पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। मारपीट कर जाति सूचक शब्दों का प्रयोग करते हुए जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार वीरभद्र मार्ग निवासी अशोक पासवान ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि आज अपने घर से रोजमर्रा का सामान लेने अपने पडोस की दुकान शिवानी प्रोविजन स्टोर पर गया था और कुछ सामान खरिद रहा था दुकान पर अन्य स्थानिय लोग जिसमे दुकान स्वामी दीपक कुमार रावत, मनोज मदान और विजय भट्ट दुकान पर पहले से मौजूद थे तभी पडोस मे रहने वाला विपिन नैयर पुत्र सुरेन्द्र कुमार नैयर निवासी वीरभद्र मार्ग ,ऋषिकेश अपने घर से स्कूटी से निकला थोडी दूर जाकर रघुवीर बर्मा के घर के सामने स्कूटी खडी कर शिवानी प्रोविजन स्टोर पर पैदल तेजी से आया जहां पर वह सामान ले रहा था , विपिन नैयर ने अचानक से उसको पीछे से धक्का मारा और विपिन नैयर उसके साथ जाति सूचक शब्दो का इस्तेमाल करते हुए उसको कहने लगा साले तुम्हें ज्यादा दिन लग गये है और बार-बार इन्ही शब्दो का प्रयोग करते हुए उसको मां बहन की गन्दी गन्दी गालियां देता रहा। जिसके बाद आसपास के लोगों ने बीच बचाव कराया तो वह उसको जान से मारने की धमकी देकर भाग गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अस्पताल की पार्किंग से एक्टिवा चोरी

संवाददाता

देहरादून। अस्पताल की पार्किंग से चोरों ने एक्टिवा चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बन्नू कालोनी रेसकोर्स निवासी करन शर्मा ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से कनिष्ट अस्पताल आयी थी। उसने अपनी एक्टिवा अस्पताल की पार्किंग में खडी कर दी थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने दी स्व. बिष्ट को श्रद्धांजलि

नगर संवाददाता

देहरादून। महानगर कार्यालय पर भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता स्वर्गीय विकास बिष्ट की श्रद्धांजलि सभा आयोजित की गई। श्रद्धांजलि सभा में उत्तराखंड के कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी उपस्थित रहे।

इस मौके पर उन्होने विकास बिष्ट के चित्र पर श्रद्धा के सुमन अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके और अपने बीते समय को साझा किया और कहा कि उन जैसे व्यक्तित्व का योगदान पार्टी एवं संगठन हमेशा याद रखेगा। महानगर अध्यक्ष सिद्धार्थ उमेश अग्रवाल ने भी स्वर्गीय विकास बिष्ट को श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए कहा कि हम सभी को ऐसे कार्यकर्ताओं जिन्होंने पार्टी को मजबूती देने का काम किया हमेशा स्मरण करते रहना चाहिए। कैंट विधानसभा से श्रीमती सविता कपूर ने भी स्वर्गीय विकास बिष्ट जी को याद करते हुए श्रद्धा के सुमन अर्पित किए।

शोक सभा में महानगर उपाध्यक्ष राजेंद्र ढिल्लों, संतोष सेमवाल, सुनील शर्मा, रतन सिंह चौहान, संध्या थापा, महानगर महामंत्री विजेंद्र थपलियाल, सुरेंद्र राणा, महानगर मंत्री राजेश कंबोज सहित कई लोग मौजूद रहे।

मानसून के दौरान अस्थमा रोगी इस तरह से रखें अपना ख्याल

मानसून के दौरान हवा में तैरने वाले विभिन्न हानिकारक बैक्टीरिया और वायरस के कारण अस्थमा से पीड़ित लोगों के लिए खतरा बढ़ जाता है। खासतौर से बारिश पौधों के विकास को बढ़ावा देती है। इसके परिणामस्वरूप हवा में परागकण की मात्रा अधिक हो जाती है, जो अस्थमा को ट्रिगर करने का एक प्रमुख कारण है। इससे अस्थमा रोगियों के सामने आने वाले खतरे और बढ़ सकते हैं। ऐसे में उन्हें इन 5 तरीकों आजमाकर खुद का ख्याल रखना चाहिए।

गर्म तासीर वाली खान-पान की चीजें खाएं : मानसून के दौरान अस्थमा रोगियों को ऐसी गर्म तासीर वाली खान-पान की चीजों का सेवन करना चाहिए, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने में भी सहायक हो। पेय के लिए आप अदरक चाय, मसाला चाय और हल्दी दूध को डाइट में शामिल कर सकते हैं जबकि खाने में लहसुन, अदरक, दालचीनी, लौंग और तेजपत्ता जैसी सामग्रियों से बने व्यंजन खाएं। मानसून के दौरान अस्थमा रोगियों के लिए भुनी शकरकंद, इडली, डोसा और अंडा खाना भी फायदेमंद हो सकता है।

भाप लें : भाप लेने से अस्थमा रोगियों को वायुमार्ग को खोलने में मदद मिल सकती है और सांस लेना आसान हो सकता है। इसके लिए सबसे पहले साफ पानी उबालें और उसमें जीरा, तुलसी के पत्ते और नीलगिरी का तेल डालें। इसके बाद अपने सिर को किसी कपड़े से ढककर अपने मुंह को भाप वाले बर्तन के पास लाएं और भाप लें। 5-10 मिनट तक या जब तक आपकी सांस लेने में सुधार न हो जाए, इस प्रक्रिया को दोहराएं।

एसी के एयर फिल्टर को करें साफ : बारिश के मौसम में उमस बढ़ जाती है, जिसके कारण लोग एसी का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि, अस्थमा रोगी इसका इस्तेमाल करते हैं तो समय-समय पर इसके फिल्टर को साफ करते रहें। समय के साथ धूल, गंदगी फिल्टर में जमा हो जाती है, जिससे इसकी हवा से प्रदूषक कण घर में फैल जाते हैं और उनसे अस्थमा रोगियों की परेशानी बढ़ सकती है। फिल्टर को साफ करने या बदलने से आप घर में बेहतर वायु गुणवत्ता बनाए रख सकते हैं।

अपने आसपास सफाई रखें: धूल और नमी से बचने के लिए अपनी चादरें नियमित रूप से बदलें। धूल के कण और कीटाणुओं से छुटकारा पाने के लिए तकिए और उनके कवर को हर हफ्ते गर्म पानी से धोएं। अगर संभव हो तो घर के फर्श से कालीन और रग्स हटा दें क्योंकि उन पर फफूंद और नमी जमा हो सकती है। अगर आप उन्हें हटा नहीं सकते तो उन्हें सप्ताह में कम से कम 2 बार वैक्यूम से साफ करें।

पालतू जानवरों से दूरी बनाएं: अगर आपको अस्थमा या एलर्जी है तो पालतू जानवरों वाले घरों में जाने से बचना चाहिए। हालांकि, अगर आपके पास पहले से ही एक बिल्ली या कुत्ता है तो उनकी आवाजाही को घर के एक क्षेत्र तक ही सीमित रखें। (आरएनएस)

लोन से जगमगाते शामियाने तले की टीस

शमीम शर्मा

इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि विवाह का आयोजन स्थल गांव है या शहर। आप नोट करेंगे कि विवाहों में दूल्हा-दुल्हन के सिर्फ चेहरे बदलते हैं। वरना वही पोशाकें, वही मेकअप और फूलों की माला। वही नगाड़े-नफीरी, बैंड-बाजा, घोड़ी-रथ, डीजे का कानफाड़ू शोर और जगमगाता शामियाना। और तो और खाने का मेन्यू भी सेम टू सेम। इस तरह धूमधाम से ब्याह रचाने के चक्कर में लोग अपना पीएफ खाली कर लेते हैं, कर्ज के नीचे दब जाते हैं। ये विवाह शामियानों तले नहीं बल्कि लोन के तले संपन्न होते हैं। बेचारे बाप का ही बैंड बज जाता है। दूल्हा-दुल्हन की महंगी वरमालाएं माता-पिताओं के गले का फन्दा बन जाती हैं। बच्चों के तो हाथ पीले हो जाते हैं पर जीवनभर की जोड़ी जमा पूंजी उड़नछू हो जाती है। कई बार तो यूं लगता है कि शादियों की तामझाम अपने हाथ में माचिस लेकर अगरबत्ती जलाने जैसा है जहां लाखों-करोड़ों धुआं बन उड़ जाते हैं। कितनी ही बार सुनने-पढ़ने में आता है कि राजनेता व उद्योगपति अपने बच्चों की शादियों में पैसा पानी की तरह बहाते हैं और उपहार में महंगी कारें व हैलीकॉप्टर तक देकर अपनी धौंस जमाते हैं। जीवन में विवाह तो एक बार ही होता है, की दुहाई देकर कंजूसी क्यों की जाये, कहने वाली युवा पीढ़ी को सोचना ही होगा कि दो दिनों की चांदनी के फेर में अभिभावक कर्जे की अन्धेरों में दब जाते हैं। पैसे का तमाशा उनका तमाशा निकाल देता है। बेवजह दिखावे पर खर्च करने की बजाय तो अपनी बेटी के नाम पैसा कर दें ताकि उसके काम तो आ सके। सादगी से विवाह रचाने में प्रतिष्ठा कम नहीं होती बल्कि ऐसे लोग मिसाल बन जाते हैं। पर इन मिसालों का अनुसरण कोई नहीं करता। हरेक विवाह में हजारों टन पका हुआ भोजन और छप्पन भांति के व्यंजन व्यर्थ हो जाते हैं। सामाजिक दिखावे के नाम पर देश के अन्न-धन को व्यर्थ करने वालों को कानून के दायरे में लाने की अब सख्त जरूरत है। विवाहों की फिजूलखर्ची भी चुनावी मुद्दा होना चाहिये। पर बिल्ली के गले में घंटी बांधे कौन जिनके कन्धों पर यह जिम्मा है, वे ही विवाहों में पैसे का पानी कर रहे हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

खुद को आराम देने के लिए कहीं आप भी तो नहीं कर रहे बेड रोटिंग!

सोशल मीडिया पर आए दिन कोई न कोई ट्रेंड चलता रहता है और युवा इन ट्रेंड को फॉलो भी करने लगते हैं। ऐसा ही एक नया ट्रेंड सोशल मीडिया पर चल रहा है जिसे बेड रोटिंग कहा जाता है।बेड रोटिंग एक ऐसा कॉनसेप्ट है जिसमें जिंदगी के प्रेशर को कम करने और काम से हटकर खुद को आराम देने के बारे में है। कई बार हमारा कुछ भी काम करने का दिल नहीं करता है। मन ऐसा करता है कि बस पलंग पर लेटे रहें। इसे ही बेड रोटिंग कहा गया है।लेकिन फायदा पहुंचाने वाला ये बेड रोटिंग कई मायने में आपके सेहत को नुकसान भी पहुंचा सकता है।आइए जानते हैं कैसे?

किस तरह से बेड रोटिंग आपको नुकसान पहुंचा सकता है?

जैसा कि अब तक आप समझ ही गए हैं कि बेड रोटिंग एक सोची-समझी एक्टिविटी होती है। इसका सीधा मतलब है दुनिया से अंजान बनकर लेटे पड़े रहना। इसमें व्यक्ति देर तक लेट कर गाने सुनता है या फिर किसी से बात करता है या मूवी देखता है। ये 2 से 3 दिन तक भी हो सकता है। इससे मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंच सकता है। एक रिसर्च में बताया गया है कि बिस्तर पर देर तक सोना या लेटना मूड स्विंग का कारण बन जाता है। इसके चलते आप तनाव में डूब सकते हैं। 2 से 3 घंटे और ज्यादा से ज्यादा एक दिन तक ऐसे करना ठीक है लेकिन ये वक्त बढ़ता है एक या 2 दिन से ज्यादा बेड रोटिंग कर रहे हैं तो यह आपके मेंटल हेल्थ को लेकर समस्याएं बढ़ा सकता है।

बेड रोटिंग से हो सकती है ये समस्या

दिनभर बेड पर लेटने से आपकी कमर और बैकबोन पर भी इसका प्रभाव नजर आने लगता है। शरीर की मांसपेशियों में ऐंठन और दर्द होने लगता है और इस तरह से आप खुद को कमजोर और बीमार महसूस करने लगते हैं।

दिनभर बेड पर लेटने से शरीर में सुस्ती आने लगती है। आप फिजिकल एक्टिविटी नहीं करते हैं। ये मोटापे का कारण भी बन सकता है।

मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है और आपको काफी अनहेल्दी फील कराता है।इसके अलावा जो लोग सुबह उठते हैं उनका स्वास्थ्य अच्छा रहता है लेकिन यह आदत इसके उलट है।इस तरह के ट्रेंड हाइजीन के लिए भी अच्छा नहीं है। तो कुल मिलाकर इससे आपको नुकसान भी पहुंच सकता है। (आरएनएस)

स्टाइलिश आउटफिट में साउथ एक्ट्रेस राय लक्ष्मी ने दिखाई कातिलाना अदाएं

साउथ एक्ट्रेस राय लक्ष्मी अपने किलर अंदाज और बोल्डनेस से फैंस के दिलों पर कहर बरपाए रहती हैं। फिल्मों के साथ ही एक्ट्रेस अपनी खूबसूरती से सोशल मीडिया का पारा हाई किए रहती हैं। फैंस उनकी एक झलक के लिए बेताब रहते हैं। वहीं, एक्ट्रेस राय लक्ष्मी ने सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं, जो फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस राय लक्ष्मी ने ब्लैक कलर के आउटफिट के साथ अपने कई स्टाइलिश तस्वीरें अपने सोशल अकाउंट पर शेयर की हैं। 34 साल की एक्ट्रेस राय लक्ष्मी की तस्वीरों के लिए फैंस उतावले रहते हैं, उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर होते ही तेजी से वायरल

हो जाती हैं। कर्ली हेयर स्टाइल, ब्लैक शूज और जैकेट के साथ एक्ट्रेस राय लक्ष्मी ने अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा रखी हैं। राय लक्ष्मी बोल्ड बिकिनी फोटोज से फैंस को घायल करती हैं। राय लक्ष्मी की दिलकश अदाएं फैंस का मन मोह ले जाती हैं। अदाकारा राय लक्ष्मी साउथ सिनेमा की सबसे खूबसूरत एक्ट्रेसेस की लिस्ट में आती हैं। एक्ट्रेस राय लक्ष्मी की इन तस्वीरों को देखकर फैंस यही कह रहे हैं कि कंचना स्टार राई लक्ष्मी की हर अदा कातिलाना है। अदाकारा राय लक्ष्मी ने अपने करियर की शुरुआत की टॉलीवुड फिल्म करका कस्द्र से की। राय लक्ष्मी का नाम पूर्व क्रिकेटर महेंद्र सिंह धोनी के साथ भी जुड़ चुका है। एक्ट्रेस राय लक्ष्मी फिल्म जूली के सीक्वल जूली 2 में काफी बोल्ड सीन दिए थे। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -090

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. जीत, फतेह 3. राशन सामान बेचने वाली एक जाति, वैश्य 6. मुर्गी की जाति की एक पक्षी, आधा... आधा बटेर 7. कमल, पंकज, भारत के एक दिवंगत प्रधानमंत्री का नाम 8. नहाने का स्थान, स्नानागार 10. ख्वाब, स्वप्न 12. बुलावा, निमंत्रण 14. तबाही, बर्बादी 17. कत्ल, वध 18. क्षतिपूर्ति, मुआवजा 19. करार, चैन, आराम 21. दृष्टि, निगाह 23. नाश करने योग्य 24. लाडला, प्यारा 25. सीताजी, जनकनंदनी।

ऊपर से नीचे

1. शादी, ब्याह 2. अनाथ, निराश्रित 3. साल, वर्ष 4. दोस्ताना, यारी 5. सुर, देव, भगवान 9. मनुष्य, इंसान, आदमी 11. पाटा जाना, चुकता करना, बात तय करना 12. कार्यक्षेत्र, गोल घेरा, वृत्त 13. अधीनता, मातहती, अधिकार 15. नगर 16. गैरजरूरी 20. दृष्टांत, सुपुर्दगी, उदाहरण 22. धरती, भूतल, धरातल।

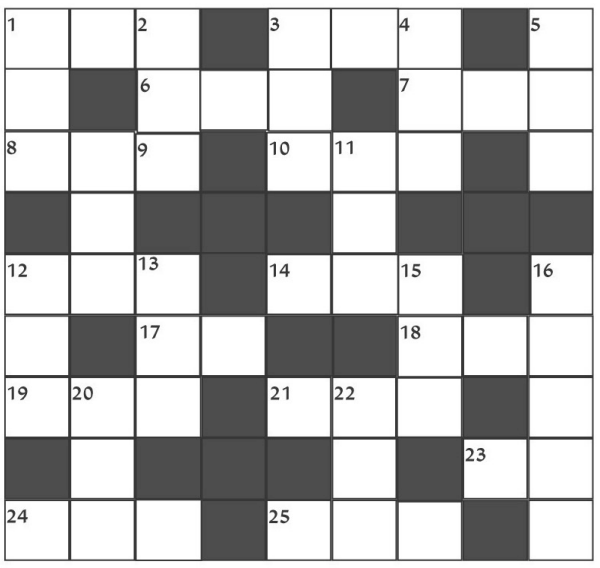

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 89 का हल

अं	त	■	म	री	ज	■	■	■
ग	ह	न	ता	■	ब	र	ब	स
■	की	■	धि	क्का	र	■	र	मा
■	का	■	का	■	द	वा	खा	ना
प	त	वा	र	■	स्त	र	■	■
ह	■	■	■	■	■	दा	मि	नी
ना	■	ए	ह	ति	या	त	■	लां
वा	च	क	■	हा	■	■	खू	ब
■	■	ता	ब	ड़	तो	ड़	■	र

मीत में टॉम-बॉय लुक छोड़ आशी सिंह बनी दुल्हन

लोकप्रिय शो 'मीत' में मीत की बेटी सुमीत की भूमिका निभाने वाली एक्ट्रेस आशी सिंह इस शो में पूरी तरह दुल्हन का जोड़ा पहनेंगी। शो के दो साल चलने के दौरान, यह पहली बार होगा जब आशी लंबे बालों के साथ एक महिला की पोशाक पहनेंगी। यह शो मीत हुडा की कहानी प्रस्तुत करता है, जो लैंगिक भूमिकाओं के सामाजिक मानदंडों पर सवाल उठाती है और साबित करती है कि ऐसा कोई काम या जिम्मेदारी नहीं है जो एक महिला नहीं ले सकती। हाल ही में शो में 16 साल के लीप

के बाद, दर्शकों ने देखा कि कैसे मीत की बेटी सुमीत (आशी सिंह) हमेशा अपनी मृत मां की तरह बनने की कोशिश कर रही है ताकि वह अपने नाम के अनुरूप जी सके। दर्शकों को कुछ रोमांचक ड्रामा देखने को मिलेगा, जिसमें सुमीत की शादी शगुन (आम्रपाली गुप्ता) के बेटे रौनक (विक्रम भाम) से हो रही है।

उसी के बारे में बात करते हुए, आशी ने कहा, यह तीसरी बार है जब मैं शो में दुल्हन के रूप में तैयार हुई हूं। लेकिन, इस बार मैं एक टॉमबॉय दुल्हन नहीं हूं बल्कि सुमीत के व्यक्तित्व के अनुरूप एक स्त्रीवादी दुल्हन हूं। मैं अपना ब्राइडल लुक देखकर बहुत खुश हुई।'ऑल गोल्ड' लहंगा और ज्वलेरी वास्तव में अलग दिखते हैं। शो में लुक वास्तव में सुमीत की सुंदरता और अवसर की भव्यता को दर्शाता है। उन्होंने आगे कहा, शो के निर्माता और कॉस्ट्यूम डिजाइनर एक शानदार आउटफिट बनाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। मेरा मानना है कि समग्र रूप पुराने ग्लैमर और आधुनिक सोफिस्टिकेशन का मिश्रण है। जहां तक मेरे मेकअप की बात है, यह सॉफ्ट और नेचुरल है, जो सुमीत की चमकदार सुंदरता को बढ़ाता है।

मीत के अपकमिंग एपिसोड में, सुमीत और रौनक की शादी का नाटक और तेज हो जाएगा जब रौनक उसका पति होने का दावा करता है जबकि सुमीत का दावा है कि यह श्लोक ही है जिसके साथ उसने शादी की है। मामला तब और बढ़ गया जब श्लोक ने उससे शादी करने से इनकार कर दिया। अपने चरित्र और मूल्यों के बारे में संदेह के बीच, सुमीत एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ी है।'मीत' ज़ी टीवी पर प्रसारित होता है।

कार्तिक आर्यन ने चंदू चैपिंयन की शूटिंग शुरू की

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन ने अपनी आने वाली फिल्म चंदू चैंपियन की शूटिंग शुरू कर दी है। कार्तिक आर्यन की हाल ही में फिल्म सत्यप्रेम की कथा प्रदर्शित हुयी है।कार्तिक आर्यन ने हाल ही में अपने आने वाली फिल्म चंदू चैंपियन का एलान किया है। ।इस फिल्म को साजिद नाडियाडवाला और कबीर खान द्वारा संयुक्त रूप से निर्मित किया जायेगा। चंदू चैंपियन का निर्देशन कबीर खान द्वारा किया जाएगा। कार्तिक आर्यन ने चंदू चैंपियन की शूटिंग शुरू कर दी है। कार्तिक आर्यन ने अपने सोशल मीडिया पेज पर एक तस्वीर पोस्ट करते हुए उसे कैप्शन दिया, शुभारंभ।और मेरे करियर की सबसे चुनौतीपूर्ण और रोमांचक यात्रा शुरू होती हैज् कैप्टन ञ्चकबीर खान के साथ ञ्चचंदू चैंपियन ।तस्वीर में कार्तिक को ह्यचंदू चैंपियनह्ल के पहले टेक के लिए क्लैपबोर्ड की तरफ इशारा करते देखा जा सकता हैं, जिसे कबीर खान ने पकड़ा हुआ है। फिल्म चंदू चैंपियन की कहानी एक खिलाड़ी की असाधारण असल जीवन की कहानी है, जिसमें उसकी कभी हार न मानने की भावना को दर्शया गया हैं। कार्तिक इस फिल्म में चंदू का किरदार निभाएंगे।फिल्म चंदू चैंपियन 14 जून 2024 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अनुपम खेर की शिव शास्त्री बालबोआ ने ओटीटी पर दी दस्तक

बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता अनुपम खेर की फिल्म शिव शास्त्री बालबोआ ने 10 फरवरी, 2023 को सिनेमाघरों का दरवाजा खटखटाया था, लेकिन यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी। अब शिव शास्त्री बालबोआ ने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर दस्तक दे दी है। इसका प्रीमियर पिछले दिनों 14 जुलाई (शुक्रवार) को अमेजन प्राइम वीडियो पर हो गया है। ऐसे में अगर आपने अभी तक इस फिल्म को नहीं देखा है तो अब घर बैठे इसे देख सकते हैं। शिव शास्त्री बालबोआ में अनुपम के अलावा नीना गुप्ता, जुगल हंसराज, नरगिस फाखरी और शारिब हाशमी जैसे कलाकार अहम भूमिका में नजर आए थे। इसका निर्देशन अजयन वेणुगोपालन द्वारा किया है, जबकि किशोर वरिएथ शिव शास्त्री बालबोआ के निर्माता हैं। फिल्म की कहानी अजयन वेणुगोपालन ने लिखी है। आने वाले दिनों में अनुपम द वैक्सीन वॉर में नजर आएंगे। द इंडिया हाउस, इमरजेंसी और मेट्रो इन दिनों जैसी फिल्में भी अनुपम की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शुमार हैं।

राजकुमार राव जल्द ही भगत सिंह की भूमिका निभाते दिखेंगे

राजकुमार राव बॉलीवुड के उन अभिनेताओं में शुमार हैं, जिन्होंने अपने दम पर दर्शकों के बीच एक खास पहचान बनाई है। वह कई फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय का परिचय दे चुके हैं। राजकुमार ने अपने करियर में कई अलग-अलग तरह के किरदार निभाए हैं और अब उन्हें महान स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह बनने का अवसर भी मिल गया है, जिसे निभाना उनके लिए एक सपना सच होने जैसा है। आइए जानते हैं क्या जानकारी मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, राजकुमार जल्द ही भगत सिंह की भूमिका निभाते दिखेंगे। वह इस प्रोजेक्ट को लेकर बेहद उत्साहित हैं और जल्द से जल्द देशभक्त का किरदार पर्दे पर उतारना चाहते हैं। हालांकि, अभी यह प्रोजेक्ट शुरुआती चरण में है क्योंकि लेखकों की टीम सिंह के जीवन से जुड़े तथ्यों और पहलुओं पर शोध कर रही है। राजकुमार भी लेखकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं क्योंकि यह प्रोजेक्ट उनके दिल के बेहद करीब है।

रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि इस प्रोजेक्ट को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर लाया जाएगा। इसे उसी हिसाब से बनाया जा रहा है। टीम इसके लिए ऐसा कंटेंट खंगालने की कोशिश कर रही है, जो इससे पहले कभी दर्शकों के लिए नहीं परोसा गया। फिलहाल यह तय नहीं है कि इसे फिल्म की शक्ल दी जाएगी या वेब सीरीज की। अभी कहानी को लेकर शोध चल रही है। इसे तैयार होने में अभी लगभग 6 से 8 महीने लगेंगे।

राजकुमार ने 2012 में फिल्म शाहिद में वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी का जीवन पर्दे पर उतारा था और अपने दमदार अभिनय के लिए उन्हें सर्वश्रेष्ठ अभिनेता के राष्ट्रीय पुरस्कार से नवाजा गया था। इस फिल्म के निर्देशक हंसल मेहता थे। 2017 में राजकुमार ने वेब सीरीज बोस डैड/अलाइव में सुभाष चंद्र बोस का किरदार निभाया। एक इंटरव्यू में राजकुमार ने कहा था, मैं भगत सिंह से बेहद प्रभावित हूं। मैं उनका किरदार अपने तरीके से निभाना चाहता हूं।

बड़े पर्दे पर कई कलाकार भगत सिंह बन चुके हैं। फिल्म शहीद-ए-आजम में सोनू सूद ने ये किरदार निभाया था। फिल्म शहीद में मनोज कुमार, भगत सिंह बने थे। द लेजेंड ऑफ भगत सिंह में अजय देवगन को यह किरदार निभाने का मौका मिला था।

राजकुमार जुलाई के अपनी हिट फिल्म स्त्री के दूसरे भाग स्त्री 2 की शूटिंग शुरू करने वाले हैं। इसमें एक बार फिर उनके साथ श्रद्धा कपूर नजर आएंगी। इस फिल्म में वरुण धवन भी नजर आएंगे। राजकुमार को फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही में भी देखा जाएगा, जिसमें उनकी जोड़ी जान्हवी कपूर के साथ जमी है। इसके अलावा वह नेत्रहीन उद्योगपति श्रीकांत बोला का जीवन भी पर्दे पर साकार करेंगे। तुषार हीरानंदानी इस फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं।

नाना पाटेकर ने दी गदर 2 के लिए अपनी आवाज

2001 की फिल्म गदर: एक प्रेम कथा के बाद सनी देओल और अमीषा पटेल गदर 2 में तारा सिंह और सकीना के रूप में लौट आए हैं। फिल्म अगस्त में रिलीज होने वाली है। अब, यह पता चला है कि अनुभवी अभिनेता नाना पाटेकर ने फिल्म के लिए वॉयसओवर किया है।

मूल रूप से, पहली किस्त में, ओम पुरी ने प्रारंभिक दृश्यों के लिए वॉयस ओवर किया था। अब फिल्म में नाना पाटेकर का वॉयस ओवर फिल्म की शुरुआत में ही सुनाई देगा। अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित गदर 2 संकेत देता है कि कहानी वहीं से शुरू होती है जहां कहानी गदर: एक प्रेम कथा में समाप्त हुई थी। पहली किस्त तारा सिंह और सकीना की प्रेम कहानी पर आधारित थी, जिसने दर्शकों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी और अब भी जारी है।

उड़ जा काले कावा गाने को दोबारा रीप्राइज्ड वर्जन के तौर पर रिलीज किया गया। फिल्म में मैं निकला गड्डी लेके रीक्रिएशन भी होगा जो जल्द ही आएगा। निर्देशक-निर्माता अनिल शर्मा द्वारा निर्देशित और ज़ी स्टूडियोज द्वारा निर्मित इस फिल्म में सनी देओल और अमीषा पटेल के साथ अनिल शर्मा के पुत्र उत्कर्ष शर्मा मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म 11 अगस्त 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

संजय दत्त-अरशद वारसी की नई फिल्म जेल के लिए मुन्ना-सर्किट बने चुनौती

मुन्नाभाई बॉलीवुड की सबसे लोकप्रिय और सफल फिल्म फ्रैंचाइज में से एक है। फिल्म ने मुन्ना और सर्किट की जोड़ी को यादगार बना दिया। इस किरदार को अरशद वारसी और संजय दत्त ने निभाया था। अब दर्शकों को यह जोड़ी एक बार फिर से देखने को मिलेगी। इस बार ये मुन्ना और सर्किट नहीं, बल्कि एक नए किरदार में नजर आएंगे। अरशद ने एक बातचीत में दोनों की नई फिल्म जेल के बारे में विस्तार से बताया है।

रिपोर्ट के अनुसार, फिलहाल जेल की सक्रिप्ट पर काम चल रहा है। इसकी सक्रिप्ट सिद्धांत कुमार सचदेव लिख रहे हैं। वही इस फिल्म के निर्देशक भी हैं। अरशद ने बताया कि कंटेंट के मामले में यह फिल्म मुन्नाभाई जैसी होगी। फिल्म की कहानी दिल छूने वाली है और इसमें एक प्यारा सा संदेश छिपा है। मुन्नाभाई एमबीबीएस और लगे रहो मुन्नाभाई दोनों की कहानी भी ऐसी ही थी।

उन्होंने बताया कि उनका और संजय का किरदार गढ़ना एक मुश्किल काम है। जब भी वह और संजय साथ होते हैं, तो दर्शकों के दिमाग से मुन्ना और सर्किट को निकालना कठिन होता है। यही वजह है कि किरदारों को लिखने में लंबा समय लग रहा है। उन्होंने बताया कि अगर जेल का कोई दृश्य मुन्ना-सर्किट की याद दिलाने लगता है, तो उसे दोबारा लिखा जाता है। अब दर्शकों के लिए इन्हें नए किरदारों में देखना दिलचस्प होगा।

मुन्नाभाई एमबीबीएस 2003 में आई थी। फिल्म में संजय दत्त ने एक मेडिकल स्टूडेंट की भूमिका निभाई थी, जो अपने पिता के दबाव में डॉक्टर बनने आया है। वह अपनी दिल की बात सुनता है और मरीजों का दिल खुश कर देता है। उसके हर काम में उसका दोस्त सर्किट (अरशद) उसके साथ खड़ा रहता है। इसका सीक्वल लगे रहो मुन्नाभाई 2006 में आया था। यह फिल्म गांधी जी के आदर्शों को दिखाती थी।

जेल की घोषणा इस साल जनवरी में हुई थी। निर्माताओं ने अरशद और संजय का लुक शेयर किया था। दोनों को फिर से साथ देखकर दर्शकों का अनुमान था कि यह मुन्नाभाई 3 है। अरशद की वेब सीरीज असुर 2 कुछ समय पहले ही रिलीज हुई है। वह अपनी फिल्म जॉली एलएलबी 3 के लिए भी चर्चा में हैं। इस फिल्म में वह और अक्षय कुमार आमने-सामने होंगे। इससे पहले वह 2013 में जॉली एलएलबी में नजर आए थे।

राजनीतिक हिंसा लोकतंत्र में शर्मनाक है

अजीत द्विवेदी

भारत में लोकतंत्र की दुहाई देने का सिलसिला पिछले कुछ सालों से बढ़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसी भी मंच से यह कहने का मौका नहीं चूकते हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है और लोकतंत्र इसके डीएनए में है। दूसरी ओर विपक्षी पार्टियों के नेता यह कहने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है, इसका गला घोंटा जा रहा है और इसे समाप्त करके एक पार्टी का शासन स्थापित करने की कोशिश हो रही है। ये दोनों अतिवादी धारणाएं हैं। वास्तविकता क्या है उस पर अलग से चर्चा हो सकती है। लेकिन यह कहने में कोई हिचक नहीं है कि राजनीतिक हिंसा के लिए लोकतंत्र में कोई जगह नहीं होती है। अगर किसी लोकतंत्र में राजनीति या चुनावी प्रक्रिया हिंसा का शिकार होती है तो वह शर्मनाक है। यह लोकतंत्र के मूल सिद्धांतों के विरूद्ध है। हाल में पश्चिम बंगाल में हुए पंचायत चुनावों में जैसी हिंसा हुई है उसने भारतीय लोकतंत्र में मौजूद रह गई एक बुनियादी खामी की ओर ध्यान खींचा है।

कह सकते हैं कि यह सिर्फ यह या दो राज्य की घटना है और इस आधार पर पूरे देश की राजनीति या लोकतंत्र के बारे में कोई धारणा बनाने या निष्कर्ष निकालने की जरूरत नहीं है। यह सही है कि घटना पश्चिम बंगाल की है और पंचायत चुनाव की है। लेकिन क्या ऐसी घटनाएं दूसरे राज्यों में नहीं होती हैं? घटना का रूप दूसरा हो सकता है लेकिन अनेक राज्यों में राजनीतिक विरोधियों के प्रति हिंसा की घटनाएं होती हैं और चुनावों के दौरान खून-खराबा देखने को मिलता है। पश्चिम बंगाल इसका प्रतीक बना है। कुछ समय पहले ही उत्तर प्रदेश में स्थानीय निकायों के चुनाव हुए थे और विपक्षी पार्टियों के कितने उम्मीदवारों ने आरोप लगाया कि उनको नामांकन नहीं करने दिया गया। उनको डराया गया, रास्ता रोका गया या किसी भी तरह से उनको चुनाव लड़ने से रोका गया। आमतौर पर इस तरह की घटनाएं सत्तारूढ़ पार्टियों के संरक्षण में होती हैं।

पश्चिम बंगाल में भी ऐसा ही हुआ है। आठ जून को पंचायत चुनाव की घोषणा हुई थी और उसके बाद एक महीने में यानी आठ जुलाई को मतदान के दिन तक 36 लोगों की मौत हुई। सैकड़ों लोग घायल हुए। बम फूटने और गोली चलने की अनेक घटनाएं हुईं। पूरा प्रदेश एक महीने तक हिंसा की चपेट में रहा। जिसकी जहां ताकत थी उसने वहां अपने विरोधी उम्मीदवार को नामांकन करने से रोका। जब नामांकन की प्रक्रिया समाप्त हुई तो मतदाताओं को बूथ पर जाने से रोकने का काम शुरू हुआ। मतदान के दिन कम से कम 20 जिलों में बूथ लूटने, बैलेट पेपर फाड़ने, बैलेट जलाने, बैलेट बॉक्स उठा कर ले जाने आदि की घटनाएं हुईं। चुनाव आयोग को 19 जिलों में करीब सात सौ बूथों पर फिर से मतदान कराना पड़ा। पहले से इस तरह की हिंसा की आशंका थी, जिसकी वजह से केंद्रीय बलों की तैनाती का आदेश अदालत ने दिया था। फिर भी हिंसा रोकी नहीं जा सकी। इसका कारण बताया जा रहा है कि स्थानीय प्रशासन ने केंद्रीय बलों की तैनाती ठीक से नहीं होने दी। यहां तक कि संवेदनशील बूथों की जानकारी भी नहीं दी गई।

हो सकता है कि यह बात सही हो लेकिन सवाल है कि क्या केंद्रीय बलों की तैनाती नहीं होगी तो मतदान ऐसे ही होगा? अगर केंद्रीय बल चुनाव के दौरान नहीं तैनात किए जाएं तो हिंसा और ताकत के दम पर जन प्रतिनिधि चुने जाएंगे? जिसके पास सत्ता होगी, जिसकी पुलिस होगी और जिसके पास बाहुबल होगा वह खून बहा कर जीत हासिल कर लेगा? यह बहुत शर्मनाक है। इससे यह साबित होता है कि टीएन शेषन के जमाने से लेकर अभी तक कुछ नहीं बदला है। उस समय भी देश के ज्यादातर हिस्सों में बूथ लूटने, बूथ कैप्चर करने, बोगस वोटिंग करने और विरोध करने वालों की हत्या करने की घटनाएं होती थीं और आज भी हो रही हैं। इसका यह भी मतलब है कि पार्टियां शरीफ नहीं हो गई हैं, बल्कि केंद्रीय बलों के आगे मजबूरी में शरीफ बनती हैं तभी विधानसभा और लोकसभा के चुनाव शांतिपूर्ण तरीके से हो पा रहे हैं। पश्चिम बंगाल में और कुछ अन्य राज्यों में केंद्रीय बलों की गैरहाजिरी में हुए चुनावों में जिस तरह की हिंसा हुई है उससे साबित हुआ है कि इस देश की पार्टियां, उनके उम्मीदवार और उनके नेता अब भी मध्यकालीन मानसिकता के साथ राजनीति करते हैं और यह मानते हैं कि साम, दाम, दंड और भेद किसी भी तरीके का इस्तेमाल कर चुनाव जीतना जायज है।

बहरहाल, चुनावी हिंसा को तो केंद्रीय बलों की तैनाती, मतदान केंद्रों पर वीडियोग्राफी, बाहरी पर्यवेक्षकों की नियुक्ति और कुछ हद तक मतदाताओं की जागरूकता के दम पर काबू कर लिया जाता है लेकिन राजनीतिक हिंसा हमेशा चलने वाली चीज है। जब चुनाव नहीं हो रहे होते हैं तब भी देश के हर हिस्से से किसी न किसी किस्म की हिंसा की खबरें आती रहती हैं। बुनियादी रूप से इसके तीन कारण होते हैं। एक वैचारिक कारण है, जिसकी वजह से हिंसा बढ़ी है और दूसरा सनातन कारण वर्चस्व की लड़ाई है। इसके अलावा एक तीसरा कारण यह है कि भारत में लोकतांत्रिक शासन की जो प्रणाली विकसित हुई है वह सेवा की बजाय सत्ता और शक्ति केंद्रित हो गई है। चुनाव जीतने वाले को पूरी सत्ता मिलती है। वह लाखों-करोड़ों लोगों का भाग्य विधाता होता है। पैसा और पावर दोनों उसके पास होते हैं। पश्चिम के विकसित देशों में जन प्रतिनिधि लोगों की सेवा करने के लिए चुने जाते हैं, जबकि भारत में लोगों पर शासन करने के लिए जन प्रतिनिधि चुने जाते हैं। चुनाव जीतने पर मिलने वाली असीमित सत्ता और पैसा समूची राजनीतिक और चुनावी प्रक्रिया को किसी न किसी रूप में भ्रष्ट और हिंसक बना रही है। सो, राजनीतिक भ्रष्टाचार और हिंसा रूके इसका तात्कालिक और अस्थायी उपाय तो केंद्रीय बलों की तैनाती का है लेकिन अगर भारतीय राजनीति से इसे स्थायी रूप से खत्म करना है तो राजनीतिक पदों के साथ जुड़ी तमाम शक्तियों, सुविधाओं और बेहिसाब संपत्ति इकट्ठा करने की संभावना को खत्म करना होगा। जब तक मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था को नहीं बदला जाएगा तब तक उस व्यवस्था का हिस्सा बनने के लिए मार-काट होती रहेगी।

अदा खान ने शिमरी गाउन में अपनी हॉटनेस से लूटी महफिल, फोटो ने फैंस की बढ़ाई धड़कनें

टीवी एक्ट्रेस अदा खान अपनी कातिलाना अदाओं से फैंस के दिलों को बेताब किए रहती हैं। उनकी स्टाइलिश तस्वीरें फैंस को काफी पसंद आती हैं। वहीं, लेटेस्ट शिमरी गाउन में एक्ट्रेस अदा खान ने बेहद ही बोल्ड पोज दिए. एक्ट्रेस अदा खान की जबरदस्त एक्टिंग और सोशल मीडिया पर बोल्डनेस फैंस के दिलों का पारा हाई किए रहती हैं। अदा शर्मा कई टीवी शोज और सीरियल में नजर आ चुकी हैं, फैंस उनके अभिनय के दीवाने हैं। एक्ट्रेस अदा खान ने मैरून कलर के गाउन में बेहद ही हसीन पोज दिए, जो फैंस को काफी पसंद आ रहे हैं। हाई स्लिट शिमरी गाउन के साथ एक्ट्रेस अदा खान ने ओपन हेयर स्टाइल और हैवी मेकअप को कैरी कर रखा है। एक्ट्रेस ने साल 2009 में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। साथ ही आज वो टीवी इंडस्ट्री में काफी पॉपुलर एक्ट्रेस हैं। अदा खान ने बहनें, अमृत मंथन और नागिन जैसे टीवी सीरियल्स में काम किया है। साथ ही वो खतरों के खिलाड़ी सीजन 10 में भी नजर आ चुकी हैं। अदा खान भले ही इन दिनों टीवी सीरियल्स से दूरी बनाए हुए हैं। लेकिन सोशल मीडिया पर वो काफी एक्टिव रहती हैं और अपने फैंस के लिए लेटेस्ट तस्वीरें या वीडियो अपलोड करती रहती हैं। कैमरे के सामने अपनी अदाओं का जादू चलाती अदा खान बेहद ही कातिलाना नजर आ रही हैं। साथ ही एक्ट्रेस ने अपने अभिनय के दम पर घर-घर में एक खास पहचान हासिल कर चुकी हैं।

सू- दोकू क्र.090

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.89 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

थाईलैंड कगार पर, लोकतंत्र लौटेगा या...

श्रुति व्यास

थाईलैंड के प्रधानमंत्री प्रयुथ चान-ओ-चा ने राजनीति से सन्यास लेने की घोषणा की है। प्रयुथ चान-ओ-चा पूर्व सैनिक जनरल हैं और सन् 2014 में सैनिक विद्रोह के बाद सत्ता पर काबिज हुए थे। उनके नेतृत्व में ही कार्यकर्ताओं और राजनीतिक विरोधियों को गिरफ्तार किया गया। मीडिया पर सेन्सरशिप लागू हुई। बाद में सन् 2019 में संसद ने उन्हें प्रधानमंत्री नियुक्त किया।

किंतु इस साल मई में उनकी पार्टी को अपमानजनक हार का सामना करना पड़ा। उनकी पार्टी पांचवे नंबर पर रही - उस नवोदित विपक्षी पार्टी से भी काफी पीछे जिसने सेना को राजनीति से दूर करने का वायदा किया था। राजपरिवार के कट्टर समर्थक और रूढ़िवादी इस नेता ने इस्तीफे की घोषणा करते हुए अपने वक्तव्य में कहा है कि उन्होंने अपनी 卐प्यारी जनता के हितों की खातिर राष्ट्र, धर्म और राजशाही के संरक्षण के लिए कड़ी मेहनत की卐।उनकी सेवानिवृत्ति थाईलैंड की संसद के नए प्रधानमंत्री चुनने के लिए जुटने की घोषणा के बाद हुई। भले ही प्रयुथ पीछे हट रहे हों परन्तु विश्लेषकों का कहना है कि जो अलोकतांत्रिक ढांचा उनके शासनकाल में खड़ा किया गया वह जैसे का तैसा है। थाईलैंड के चुनाव संबंधी कानूनों के अनुसार मूव फारवर्ड पार्टी के नेता पीटा लिमजारोईनरा को निचले सदन के 500 निर्वाचित सांसदों और सीनेट के 250 सदस्यों के बहुमत का समर्थन हासिल करना होगा। सीनेट के सदस्य पिछले तख्तापलट के बाद सेना द्वारा नियुक्त किए गए थे और यह साफ नहीं है कि वे पीटा का समर्थन करेंगे यह नहीं, जिनकी पार्टी मई में हुए चुनाव में पहले नंबर पर पर रही थी।

पीटा लिमजारोईनरा, जो 42 साल के हैं, हार्वर्ड में पढ़े हैं और आईटी टेकी हैं। उन्हें पढ़े-लिखे शहरियों का जबरदस्त समर्थन मिला। उनकी मूव फारवर्ड पार्टी ने राजधानी बैंकाक में लगभग पूरी जीत हासिल की और राष्ट्रीय स्तर पर भी चुनाव जीता। उनकी पार्टी की निर्णायक जीत की प्रशंसा और सराहना हुई। आखिर उसका गठन सन् 2020 में ही तो हुआ था।

इस बीच पीटा बहुमत और प्रधानमंत्री पद हासिल करने के लिए प्रयासरत हैं। उन्होंने सीनेटरों से जनता की इच्छा का सम्मान करने की अपील की है। हाल में जनसमूह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि वे सीनेटरों से आग्रह कर रहे हैं कि लोकतंत्र के पक्ष में मत दें ताकि आगे बढ़ा जा सके। पीटा की मुख्य समस्या यह है कि वे उस कानून में सुधार करना चाहते हैं जिसके अंतर्गत राजशाही की आलोचना करने पर 15 साल तक जेल की सजा हो सकती है। मजे़ की बात यह है कि उनकी जीत में उनके वायदे की प्रमुख भूमिका है। सन् 2020 से इस कानून का उपयोग बच्चों सहित 250 से अधिक लोगों के विरूद्ध किया गया है। उस साल लंबे समय से चली रही इस धारणा को चुनौती देते हुए युवाओं के नेतृत्व में जबरदस्त आंदोलन हुआ था कि राजवंश पूजनीय है और उस पर सवाल नहीं उठाए जाने चाहिए। स्थानीय मीडिया में आ रही खबरों के अनुसार पीटा कुछ सीनेटरों को अपनी पार्टी का समर्थन करने के लिए राजी करने में सफल हो गए हैं, लेकिन कई सीनेटर अभी भी उनके खिलाफ हैं। कई सीनेटर इस कानून में किसी भी बदलाव के खिलाफ हैं क्योंकि उनका मानना है कि राजवंश की आलोचना राष्ट्रहित में नहीं है और सजा की अवधि घटाने से देश में और अधिक अव्यवस्था उत्पन्न होगी। और गुरूवार का मतदान ही पीटा के समक्ष एकमात्र चुनौती नहीं है। उनके एक रूढिवादी विरोधी ने उनके खिलाफ एक न्यायिक प्रकरण दायर किया है जिसके कारण उन पर जेल की सजा या राजनीति में भाग लेने पर प्रतिबंध की तलवार भी लटक रही है।

पीटा की लोकप्रियता संदेह के परे है। उन्हें पूरे देश के सभी आयु समूहों के लोगों का समर्थन हासिल है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर उनके खिलाफ कुछ भी होता है, तो उसके विरोध में थाईलैंड की सड़कों पर तूफानी प्रदर्शन होंगे।

राज्य योजना आयोग की जगह अब सेतु आयोग

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने अब राज्य योजना आयोग को समाप्त कर दिया गया है। विकास योजनाओं के नियोजन का काम अब सेतु आयोग द्वारा किया जाएगा। सरकार द्वारा आज इस आशय का नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है।

केंद्र सरकार द्वारा जिस तरह से केंद्रीय आयोग को समाप्त कर नीति आयोग को अस्तित्व में लाया गया था उसी तर्ज पर अब राज्य सरकार द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर राज्य योजना आयोग की जगह अब सेतू आयोग का गठन कर दिया गया है हालांकि राज्य सरकार द्वारा इस आशय के प्रस्ताव को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है लेकिन आज इसका शासनादेश जारी कर दिया गया है। इसके साथ ही उत्तराखंड राज्य अब उन 7 राज्यों की सूची में शामिल हो गया है जो पहले ही अपने राज्य आयोगों को खत्म कर चुके हैं।

❑मुख्यमंत्री धामी होंगे अध्यक्ष, नियोजन मंत्री उपाध्यक्ष
❑विकास योजना को नई रफ्तार मिलने की उम्मीद

सेतु आयोग के अध्यक्ष का कार्यभार मुख्यमंत्री संभालेंगे तथा इस आयोग में नियोजन मंत्री को उपाध्यक्ष के रूप में शामिल किया गया है। नियोजन मंत्री न होने की स्थिति में किसी मंत्री को उपाध्यक्ष के पद पर नियुक्ति करने का अधिकार मुख्यमंत्री के पास होगा। इसके अतिरिक्त सेतु आयोग में 2 अपर सचिव स्तर के अधिकारी और तीन अन्य सदस्य भी होंगे जो अलग-अलग क्षेत्रों के विशेषज्ञ होंगे। यह अलग बात है कि सेतु आयोग का काम भी वही होगा जो राज्य योजना आयोग का होता था लेकिन इसके कामकाज का तरीका अलग होगा।

केंद्र सरकार द्वारा राज्य के योजना आयोग को खत्म कर इसकी जगह सेतु आयोग लाने वाले राज्यों को ढांचागत विकास के लिए 5 करोड़ की धनराशि मुहैया कराई जाती है जो नए विस्थापना कार्यो पर खर्च होगी।

सेतु आयोग द्वारा राज्य की विकास योजनाओं की प्राथमिकता तय करने और उनके निर्धारित समय पर पूरा करने तथा निर्धारित व्यय में पूरा करने की चुनौती होगी। सरकार का मानना है कि सेतु आयोग योजना आयोग से बेहतर तरीके से काम करेगा और विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल बनाने का काम करेगा जिससे काम न सिर्फ निर्धारित समय में पूरे हो सकेंगे बल्कि उनकी योजनागत लागत में कमी आएगी। और काम की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। सेतु आयोग के फैसले को इस लिहाज से एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

उक्रांद कार्यालय पर दूसरे दिन भी हंगामा
शिवप्रसाद सेमवाल सहित एक दर्जन से अधिक लोग गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड क्रांति दल के केन्द्रीय कार्यालय में दूसरे भी हंगामा हुआ और दोनों गुट आमने सामने आ गये। जिसको देखते हुए पुलिस फोर्स तैनात किया गया। पुलिस ने शिव प्रसाद सेमवाल सहित एक दर्जन से अधिक लोगों को गिरफ्तार कर उनको पुलिस लाईन पहुंचाया।

आज यहां उत्तराखण्ड क्रांति दल के केन्द्रीय कार्यालय पर सुबह से ही भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया हुआ था। सुबह से ही दोनों गुटों के लोग वहां पर पहुंच गये। कांशी सिंह ऐरी गुट ने शिवप्रसाद सेमवाल गुट को कार्यालय के अन्दर नहीं घुसने दिया। ऐरी गुट का कहना है कि शिव प्रसाद सेमवाल, टीएस कार्की, सुलोचना ईष्टवाल, अनुपम खत्री, राजेन्द्र पंत, संजय डोभाल आदि को पूर्व में पार्टी विरोध गतिविधियों के आरोप में छह साल के लिए निष्कासित कर दिया था। गत दिवस इन्होंने पार्टी कार्यालय में कब्जा करने का प्रयास किया लेकिन यह सफल नहीं हो सके। शिवप्रसाद सेमवाल गुट सुबह से ही कार्यालय के बाहर डटे रहे तथा अन्दर घुसने का प्रयास करते रहे लेकिन उनको अन्दर नहीं घुसने दिया जिससे वहां पर हंगामा शुरू हो गया। दोनों तरफ से एक दूसरे के खिलाफ नारेबाजी होती रही। जिससे स्थिति तनावपूर्ण हो गयी। इस दौरान पुलिस फोर्स दोनों गुटों के बीच में रहकर शांति व्यवस्था बनाने का प्रयास करती रही। दोपहर को जब मामला शांत होता दिखायी नहीं दिया तो पुलिस ने शिव प्रसाद सेमवाल सहित लगभग एक दर्जन से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार कर उनको पुलिस लाईन पहुंचाया।

इंटीग्रेटेड टाउनशिप योजना शहरीकरण के... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

डोईवाला नगर पालिका के भी कुछ क्षेत्र में नए शहर बसाने की योजना बनाई गई है। क्षेत्रीय जनता में डर का मौहोल बना हुआ है। डोईवाला विधानसभा क्षेत्र में ज्यादातर लोग खेती से जुड़े हैं,जहाँ बड़ी मात्रा में गन्ना व अन्य फसल का उत्पादन होता है। सरकार द्वारा प्रस्तुत एक नक्शे में यह दर्शाया गया है कि नई टाउनशिप के लिए करीब 3080 हेक्टेयर भूमि चयनित की गई है,जिसमे 747 हेक्टेयर सरकारी भूमि व करीब 2334 हेक्टेयर कृषि भूमि है जिसे सरकार द्वारा अधिगृत करने की तैयारी चल रही है। पत्रकार वार्ता में मुख्य प्रवक्ता गरिमा माहरा दसौनी, महेन्द्र नेगी गुरूजी, शांति रावत, नीरज त्यागी मौजूद रहे।

जनक्रान्ति के नायक श्रीदेव सुमन को बलिदान दिवस पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता

टिहरी गढ़वाल। जन क्रांति के नायम श्रीदेव सुमन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि देकर उनको याद किया।

नरेन्द्र नगर विधानसभा क्षेत्र के नगर पंचायत गजा में टिहरी जन क्रान्ति के नायक अमर शहीद श्रीदेव सुमन के बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। व्यापार सभा गजा की ओर से उत्तराखंड आंदोलन में शहीद बेलमति चौहान स्मारक चौराहे पर आयोजित श्रद्धांजलि कार्यक्रम में श्रीदेव सुमन के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए गए। श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए व्यापार सभा गजा अध्यक्ष विनोद सिंह चौहान ने कहा कि टिहरी रियासत के खिलाफ आवाज उठाने वाले सुमन ने अनेक यातनाएं झेली हैं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल कुंवर सिंह चौहान ने कहा कि टिहरी रियासत को आजादी श्रीदेव सुमन ने दिलवाई थी, कहा कि साधारण परिवार में जन्मे सुमन हमेशा के लिए याद किए जाते रहेंगे। समाजसेवी दिनेश प्रसाद उनियाल ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि चम्बा की धरती ने शहीद श्रीदेव सुमन को जन्म दिया है। 28 साल की अल्पायु में ही उन्होंने जनता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दे दिया, उनके शहादत दिवस पर कोटि कोटि नमन व हार्दिक श्रद्धांजलि। कहा कि व्यापार सभा द्वारा अनेक सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं इसके लिए सभी व्यापारियों तथा कार्यकारिणी का धन्यवाद करते हैं। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में बचन सिंह खडवाल सेवा निवृत्त शिक्षक,जोत सिंह चौहान, मान सिंह चौहान, यशपाल सिंह चौहान, विजय सिंह तडियाल, सुरेन्द्र सिंह खडवाल, उम्मेद सिंह पयाल, जगत राम विजल्वाण,जोत सिंह असवाल सहित दर्जनों लोग शामिल हुए। व्यापार सभा अध्यक्ष विनोद सिंह चौहान ने श्रद्धांजलि अर्पित करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया है।

नेताजी संघर्ष समिति ने किया श्रीदेव सुमन को याद

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने जन नायक श्रीदेव सुमन को उनके बलीदान दिवस पर याद किया। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने आज टिहरी राजशाही के खिलाफ संघर्ष करने वाले श्रीदेव सुमन के शहादत दिवस पर उन्हें याद किया। समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि श्रीदेव सुमन ने 84 दिन तक टिहरी राजशाही के विरुद्ध भूख हड़ताल की थी जो कि एक सोचनीय और विचारणीय विषय है आज के युवाओं को भी अन्याय के विरुद्ध संघर्ष करना चाहिए। शहीद श्रीदेव सुमन को याद करने वालों में समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, अरुण खरबंदा, सुशील विरमानी, प्रवीण शर्मा, राम सिंह प्रधान, मनोज सिंघल आदि उपस्थित रहे।

धरना दे रहे ग्रामीणों को प्रीतम सिंह ने दिया समर्थन

संवाददाता

देहरादून। इंटीग्रेटेड टाउनशिप व एरो सिटी के नाम पर भूमि अधिग्रहण के विरोध में धरने पर बैठे ग्रामीणों को समर्थन देने चकराता विधायक व पूर्व नेता प्रतिपक्ष प्रीतम सिंह पहुंचे और विधानसभा में उनकी मांग को उठाने का आश्वासन दिया।

आज यहां पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं चकराता विधायक प्रीतम सिंह ने उत्तराखंड सरकार द्वारा प्रस्तावित इंटीग्रेटेड टाउनशिप और एरो सिटी के तहत डोईवाला की विभिन्न ग्रामसभाओं की जमीनों के अधिग्रहण किये जाने की कार्यवाही के खिलाफ माजरी ग्रांट में धरने पर बैठे क्षेत्रवासियों के आंदोलन में सहभागिता की। धरनारत ग्रामवासियों ने उचित मंच पर उनकी मांग को रखने के आग्रह के साथ अपनी मांगों से सम्बंधित ज्ञापन सौंपा।

उन्होंने सभी उपस्थित क्षेत्रवासियों को आश्वस्त किया कि आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सदन में उनकी मांगों को सरकार के समक्ष उचित समाधान हेतु रखा जायेगा। इस अवसर पर पूर्व काबिना मंत्री हीरा सिंह बिष्ट, पूर्व महानगर अध्यक्ष लालचंद शर्मा सहित अन्य वरिष्ठजन रहे मौजूद।

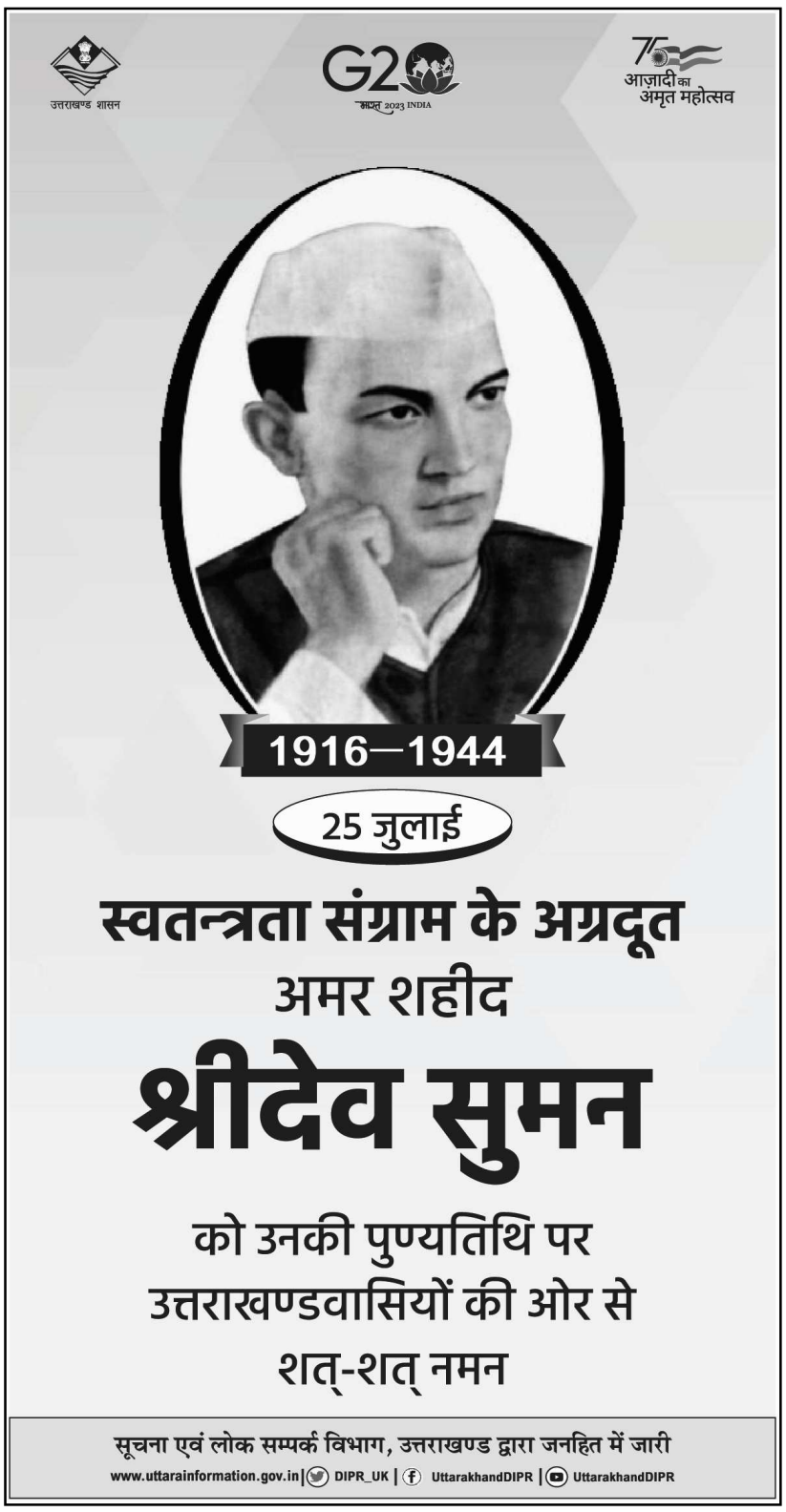

एक नजर

मणिपुर हिंसा के बीच 2 दिन में 700 से ज्यादा अवैध रिफ्यूजी म्यांमार से घुसे

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर के मणिपुर राज्य में हालात अभी तक पूरी तरह सुधरे नहीं हैं। कुकी और मैतई समुदाय के बीच पिछले दो महीने से जारी जातीय हिंसा पूरे राज्य में फैल चुकी है और हाल ही में महिलाओं के साथ हुए दुष्कर्म के वायरल

वीडियो ने स्थिति और भी ज्यादा बिगाड़ दी है। मणिपुर में आंतरिक हालात अभी सुधरे नहीं हैं, इस बीच विदेशी धरती से घुसपैठ की खबरों ने चिंताएं और भी ज्यादा बढ़ा दी हैं। पिछले दो दिनों में म्यामांर बॉर्डर से 700 से अधिक लोगों को घुसपैठ की बात सामने आई है। मणिपुर के चंदेल जिले में अवैध रूप से म्यांमार में घुसपैठ हुई है, जिसके बाद राज्य सरकार ने चिंता व्यक्त की है। राज्य सरकार ने इस बारे में असम राइफल्स से डिटेल रिपोर्ट मांगी है और इतनी बड़ी संख्या में लोगों के आने की जानकारी मांगी है।

सभी औद्योगिक लाइसेंस तीन साल के बजाय 15 वर्ष के लिए वैध होंगे

नई दिल्ली। सरकार ने सोमवार को कहा कि आईडीआर अधिनियम के तहत जारी किए गए सभी औद्योगिक लाइसेंस तीन साल के बजाय 15 वर्ष के लिए वैध होंगे। उद्योगों को लाइसेंस जारी करने के प्रावधान उद्योग विकास एवं नियमन (आईडीआर) अधिनियम के तहत किए गए हैं। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने बयान में कहा कि पहले जारी सभी प्रेस नोट को निरस्त करते हुए औद्योगिक लाइसेंस की वैधता को तीन साल से बढ़ाकर 15 साल किया जा रहा है। यह कदम कारोबारी सुगमता बढ़ाने को रक्षा क्षेत्र के लिए जारी लाइसेंस की तर्ज पर उठाया जा रहा है। विभाग ने औद्योगिक लाइसेंस जारी करने की प्रक्रिया को मजबूत बनाते हुए कहा कि संबंधित मंत्रालय निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुरूप तीन साल के लिए लाइसेंस अवधि बढ़ा सकता है। यह प्रावधान तभी लागू होगा जब लाइसेंसधारक ने 15 साल की अवधि में उत्पादन शुरू न किया हो।

अमित ठाकरे का वाहन रोके जाने के बाद नासिक टोल प्लाजा में तोड़फोड़

नासिक। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता अमित ठाकरे का वाहन रोके जाने के बाद नासिक में एक टोल प्लाजा में तोड़फोड़ करने के आरोप में पार्टी के आठ कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक अधिकारी

ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि मनसे के संस्थापक राज ठाकरे के बेटे अमित ठाकरे के वाहन के फास्टटैग विवरण का मिलान नहीं हो पाने पर शनिवार रात सवा नौ बजे सिन्नार के गोंडे टोल प्लाजा पर उन्हें (अमित को) रोका गया था। वह उस वक्त मुंबई जा रहे थे। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब ढाई बजे भीड़ ने टोल प्लाजा में तोड़फोड़ की और वहां मौजूद पदाधिकारियों को माफी मांगने के लिए मजबूर किया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

कंगना की शिकायत पर कोर्ट ने जावेद अख्तर को भेजा समन !

मुंबई। ऋतिक रोशन और कंगना के केस के दौरान शुरू हुई जावेद और कंगना की लड़ाई अब तक जारी है। जिसके बाद अब कोर्ट ने जावेद अख्तर को तलब

किया है। दरअसल कंगना रनौत ने जावेद अख्तर के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। जिसमें भारतीय दंड संहिता की धारा 506 (आपराधिक धमकी) और 509 (महिला की गरिमा का अपमान) करने के तहत जावेद अख्तर को तलब किया गया है। जिसके तहत उन्हें 5 अगस्त को कोर्ट में पेश होने के लिए समन भेजा गया। रिपोर्ट के अनुसार, कंगना और जावेद अख्तर के फिजिशियन डॉ रमेश अग्रवाल सोमवार को मजिस्ट्रेट के सामने अदालत में गवाह के रूप में पेश हुए।

कलश यात्रा के साथ शिवमहापुराण का शुभारंभ

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। मालदेवता जो सिद्ध क्षेत्र है प्राचीन शिव मंदिर है। जहां पर अनेक मनोकामना पूर्ण होती हैं। अनेक संतो ने तपस्या करी सिद्धियां प्राप्त की जो कि सोंग नदी के तट पर कुमालड़ा द्वारा थेवा के बीच मे विराजमान शकर का स्वरुप है। अतिश्योक्ति नहीं है जो पिपल पेड़ के नीचे विराजमान हैं। किसी सन्त ने अपने शिष्य को पीपल के पते लाने को कहा वह पते सोने और चांदी में बदल गए यहाँ पर तपस्या करने वालो को मालामाल बनाया शंकर ने।

यहाँ पर स्थानीय लोगो ने शिवपुराण की कथा से पहले खैरी विलेश्वर महादेब मन्दिर से दो नाली होते हुए हजारों की सँख्या में महिलाएं सिर पर कलश लिए पीत वस्त्रों में बम बम बोले के नारों से जय जय कार करते हुए पूर्व जिलाध्यक्ष वर्तमान भाजपा के कार्यकारिणी के सदस्य शमशेर सिंह पुंडीर द्वारा पुराण को सिर पर लिए ढोल दमो की थाप सभी ब्राह्मण द्वारा वेद मंत्रों से भगवान शंकर का अभिषेक किया गया।

शमशेर सिंह पुंडीर जी ने कहा यह शिवपुराण समस्त क्षेत्र की खुशहाली के

लिए 25 से 2 अगस्त तक चलेगा।

वही कथावाचक आचार्य शिवप्रसाद ममगाईं ने कहा शिव शब्द का अर्थ कल्याण होता है ई कार हट जाने से शव बन जाता है मानव देह प्राप्त करके दूसरे का कल्याण करने वाला व्यक्ति मानव की श्रेणी में अग्रसर होता है। इस समय पुरूषोत्तम मास में श्रावण का महत्व इसलिय बढ़ जाता है कि यह श्रावण पुरूषोत्तम मास है क्योंकि भगवान शंकर के इष्ट विष्णु और विष्णु के इष्ट शंकर है। इसमें शिवपुराण श्रवण करना जप तप करना दोगुना फल देने वाला होता है महात्म्य में चंचुला प्रषंग के माध्यम से।

आचार्य ममगाईं ने कहा कि मनुष्य का चरित्र ही उसकी सही सम्पत्ति है जो हर जगह सम्मान और सुख प्राप्त करता है आज विशेष रूप से पूर्व जिला भाजपा अध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य शमशेर पुंडीर पूर्व प्रदान सुरेश पुंडीर पूर्व प्रधान अजय चौहान सामाजिक कार्यकर्ता राकेश पुंडीर रघुवीर सिंह जयाड़ा आचार्य बिशम्बर दत्त आचार्य शक्तिधर प्रधान जी वर्तमान विकास क्षत्री सतो देवी उषा देवी सुनीता क्षेत्री ग्राम प्रधान सुंदर पुंडीर नरेश पुंडीर प्रसन्ना देवी सुरेश कैंतुरा कुंदन सिंह मोहन सिंह विक्रम सिंह शकुंतला देवी आनंद सिंह नेगी होशियार सिंह पुंडीर बुद्धि सिंह नेगी शास्त्री सुन्दरलाल ममगाईं मनीष डंगवाल आचार्य दिवाकर भट्ट आचार्य संदीप बहुगुणा आचार्य प्रदीप अंकित ममगाईं सुरेंद्र तिवारी सुरेश जोशी आदि भक्त गण भारी सँख्या में उपस्थित थे।

मशरूम प्लांट की छत गिरी दो महिलाओं की मौत, चार घायल

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। मशरूम प्लांट की अचानक छत गिरने से वहां कार्यरत छह महिलाए मलबे में दब कर गम्भीर रूप से घायल हो गयी। जिन्हे अस्पताल पहुंचाया गया। जहां चिकित्सकों द्वारा दो को मृत घोषित कर दिया गया वहीं दो की हालत गम्भीर देखते हुए उन्हे हायर सेन्टर रैफर कर दिया गया है। जानकारी के अनुसार झबरेड़ा थाना क्षेत्र के कोटवाल गांव के पास मशरूम का प्लांट लगा हुआ है। इस प्लांट में अक्सर 25 से 30 महिलाएं काम करती हैं। सोमवार शाम को छह महिलाएं प्लांट के स्टोर में मशरूम रखवा रही थीं। इसी बीच अचानक छत गिर गई। छत गिरते ही पूरे प्लांट में हड़कंप मच गया। मौके पर पहुंची अन्य महिलाओं की चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग एकत्र हो गए। उन्होंने मलवे में दबी महिलाओं को निकालने का काम शुरू किया। वहीं मामले की सूचना मिलने पर झबरेड़ा पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने लोगों की मदद से मलबा हटवाने का कार्य शुरू कर दिया। उधर दुर्घटना की सूचना जब प्लांट में काम करने वाली महिलाओं के घर वालों को मिली तो वो भी प्लांट में पहुंच गए। पुलिस ने मलवा हटाकर छह घायल महिलाओं को बाहर निकाला और झबरेड़ा स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टर ने अमृता (27) निवासी सढोली और सुदेश (38) निवासी कोटवाल आलमपुर को मृत घोषित कर दिया। जबकि रूबी निवासी सढोली और सुबलेश निवासी सढोली की हालत गंभीर देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। सतेंद्री और ज्योति निवासी सढोली का झबरेड़ा में ही इलाज चल रहा है।

मुर्दाघर में खेलते थे जुआ, धरे गये

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। पोस्टमार्टम हाउस में लम्बे समय से चल रहे जुए के धंधे का खुलासा करते हुए पुलिस ने तीन जुआरियों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से हजारों की नगदी व ताश की गड्डी भी बरामद की गयी है।

मामला रूद्रपुर के पोस्टमार्टम हाउस का है। मिली जानकारी के अनुसार यहां रूद्रपुर कोतवाली पुलिस को लम्बे समय से जुआ खेले जाने सम्बन्धी सूचनाए मिल रही थी। कोतवाली एसएचओ विक्रम राठौर ने बताया कि आज सुबह मिली सूचना के बाद पुलिस ने जब वहां छापेमारी की तो वहां अफरा तफरी फैल गयी। पुलिस ने मौके से भूरे गुप्ता पुत्र हरिशंकर निवासी रंपुरा थाना रुद्रपुर, वाहिद पुत्र लतीफ निवासी पहाड़गंज और परवेज पुत्र नसीम खान निवासी भूत बंगला को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके कब्जे से एक ताश की गड्डी व कुल 14710 रूपये की नगदी बरामद की गयी है। पुलिस ने उनके खिलाफ जुआ अधिनियम की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही शुरू कर दी है।

नाबालिग छात्राओं से छेड़छाड़ किया करता था शिक्षक, गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

उधमसिंहनगर। गुरू शिष्य की परंपरा को कलंकित कर नाबालिग छात्राओं से छेड़छाड़ करना एक शिक्षक को मंहगा पड़ गया। शिकायत मिलने पर पुलिस ने आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर उसे जेल भेज दिया है। खटीमा सीओ वीर सिंह ने बताया कि आदर्श विद्यालय राजकीय इंटर कॉलेज के प्रधानाचार्य सुभाष सिंह राणा द्वारा पुलिस को तहरीर दी गई। जिसमें लिखा गया था कि कॉलेज का ही शिक्षक अंग्रेजी प्रवक्ता नफीस अहमद के द्वारा छात्राओं के साथ छेड़छाड़ का कृत्य किया गया है। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए पॉस्को सहित विभिन्न धाराओं में शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के प्रयास किये गये और आरोपी शिक्षक नफीस अहमद को मात्र 24 घंटे के भीतर ही सितारगंज इलाके से गिरफ्तार कर लिया गया, जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।